मंगलवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

17 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 52
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# देहरादून में सेक्स रैकेट का धमाका!

## घर बना अय्याशी का अड्डा, पुलिस ने मारी रेड!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जिस्मपरोशी के धंधे का भंडाफोड करते हुए महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर तीन पीडिताओं को रेस्क्यू किया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल को गोपनीय माध्यम से बिंदाल क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा एक घर में अनैतिक देह व्यापार करवाये जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर एसएसपी देहरादून द्वारा क्षेत्राधिकारी मसूरी के नेतृत्व में एएचटीयू देहरादून तथा कैण्ट पुलिस की संयुक्त टीम का गठन कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। संयुक्त टीम द्वारा रात्रि में गांधी नगर रघुनाथ मंदिर के पास स्थित एक घर में औचक छापेमारी की कार्यवाही की गई तो घर के अन्दर 03 महिलाएं तथा 02 पुरूष आपत्तिजनक स्थिति में मिले, जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। मौके से पुलिस टीम द्वारा अनैतिक देह व्यापार संचालित कर रही एक महिला रानी देवी पत्नी दीपक कुमार निवासी रघुनाथ मंदिर गाँधीनगर, देहरादून, आशीष कुमार पाण्डे पुत्र सुरेश

चन्द पाण्डे निवासी प्लाट नं0 84 गुरुजम्भेश्वर नगर, अग्रवाल कैटरस गांधी पथ वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान तथा फुलो खान पुत्र मुस्लिम खान निवासी शास्त्री नगर खाला कैण्ट, थाना कैण्ट, को गिरफ्तार करते हुए 03 पीडिताओं को रेस्क्यू किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि उक्त मकान रानी देवी का है, जो पिछले कुछ समय से आशीष कुमार पाण्डे के साथ मिलकर उक्त घर में अनैतिक देह व्यापार संचालित कर रही थी। मौके से रेस्क्यू की गई महिलाओं को उनके द्वारा काम दिलाने के बहाने बाहरी राज्यों से देहरादून बुलाया था तथा उनकी मजबूरियों का फायदा उठाकर वह उनसे अनैतिक देह व्यापार करवा रही थी। वह व्हट्सअप के माध्यम से लडकियों की फोटो ग्राहकों को भेजकर उनसे रेट व लडकियों को भेजने का समय व स्थान निर्धारित करती थी तथा आशीष लडकियों को ग्राहकों तक पहुंचाने का काम करता था। जिसके एवज में उसे मोटा कमिशन मिलता था। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# रिश्वत लेते पकड़ा गया सरकारी बाबू!

हमारे संवाददाता

देहरादून। कनैक्शन कराने व विद्युत भार बढ़ाने के एवज में 80 हजार रूपये की रिश्वत लेते बिजली विभाग के जेई को विजिलेंस टीम द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों पीड़ित द्वारा देहरादून विजिलेंस टीम को सूचना देकर बताया गया था कि उनकी पत्नी के नाम से खरीदे गये अपार्टमेंट में पत्नी के नाम से बिजली का कनैक्शन कराने व विद्युत भार बढ़ाने के एवज में बिजली विभाग के बिजली घर पथरी बाग में तैनात अवर अभियंता अतुल कुमार द्वारा उनसे 80 हजार रूपये की रिश्वत की मांग की जा रही है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए विजिलेंस टीम द्वारा जांच शुरू कर दी गयी।

जांच के दौरान मामला सही पाये जाने पर विजिलेंस टीम द्वारा जेई अतुल कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार करने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया गया। जिस पर आज पीड़ित को 80 हजार रूपये लेकर जेई अतुल कुमार के पास भेजा गया। जैसे ही जेई अतुल कुमार द्वारा पैसे पकड़े तो वहां मौजूद विजिलेंस की टीम द्वारा उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# अंतर कलह की शिकार भाजपा

भले ही सूबे की सरकार 2027 में फिर एक बार भाजपा की सरकार का सपना संजोए बैठी हो और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपनी हरिद्वार रैली के जरिए समय पूर्व ही चुनावी शंखनाद का आगाज कर गए हो लेकिन भाजपा के अंदर लंबे समय से जो आंतरिक अंतर्द्वंद की स्थिति बनी हुई है वह न तो किसी से छिपी है और न भाजपा के लिए लगातार तीसरी बार जीत कर सत्ता में बने रहने का यह टारगेट इतना आसान है। दो धड़ों में बटी प्रदेश भाजपा के बारे में ऐसा कोई तथ्य नहीं है जो किसी से छिपा हो। राज्य सरकार जो अपने कार्यकाल के चार साल पूरे कर चुकी है भले ही स्थिर दिखाई देती हो और अब सभी को ऐसा लग रहा हो कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ही आगामी विधानसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। लेकिन इस सरकार के गठन से लेकर अब तक खाली पड़े कैबिनेट मंत्री पदों का न भरा जाना और कार्यकर्ताओं को उत्तरदायित्वों का बंटवारा न किया जाना इस बात का साक्ष्य है कि पार्टी के अंदर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। भले ही अमित शाह ने अपने संबोधन में इस बात का एहसास न होने दिया हो लेकिन हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा संसद में खनन की अवैधता पर उठाए गए सवालों के बाद भाजपा की खेमेबाजी सतह पर आ गई थी। अब रही सही कसर अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अजय अजेंद्र ने साफ कर दिया है जो पीएम मोदी को संबोधित करते हुए अपने अंदर की उसे घुटन का खुलासा करने में कोई संकोच नहीं करते हैं कि अब उनके जैसे कार्यकर्ताओं के पास ऐसी राजनीति को तिलांजलि देना ही अंतिम विकल्प बचा है। वह अपनी इस पोस्ट में साफ-साफ कहते हैं कि भाजपा द्वारा गलत नीतियों पर चलने वालों को संरक्षण प्रदान करने का काम किया जा रहा है। भले ही उनके इस पोस्ट पर जो कि उनके द्वारा सोशल मीडिया हैंडल पर किया गया है उसके कुछ भी मायने निकाले जाएं लेकिन एक बात साफ है कि अब भाजपा के नेताओं के अंदर की कशिश भी बाहर आने लगी है। बात पेपर लीक और रोजगार के मुद्दे की हो या फिर अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे मुद्दों की हो अथवा धर्म आधारित राजनीति की जिसके तहत मुख्यमंत्री धामी गर्व के साथ सदन में यह बताते हैं कि वह राज्य की बायोग्राफी को चेंज नहीं होने देंगे और धर्म की आड़ में राज्य की कब्जाई गई 1200 एकड़ जमीन को उन्होंने अवैध कब्जों से मुक्त कराया है। लेकिन जिन पेपर लीक और अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे मामलों में सरकार के बैक फुट पर आना पड़ा है तथा सीबीआई जांच की संस्तुति करनी पड़ी है उससे भाजपा की छवि को कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन संभव नहीं है। यही नहीं गैरसैंण राजधानी जैसे मुद्दों पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बयान जिसमें वह विधानसभा भवन को ही वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने का सुझाव देते हैं भाजपा को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है सीएम धामी चुनाव तक अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या नहीं यह दीगर बात है लेकिन 2027 का चुनाव उनके लिए आसान नहीं है।

# मुख्यमंत्री ने हेमवती नंदन बहुगुणा को उनकी पुण्य तिथि में दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को उनकी पुण्य तिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बहुगुणा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता एवं कुशल प्रशासक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया।

# कांग्रेसजनों ने स्व. एचएन बहुगुणा को पुण्य तिथि पर किया याद

संवाददाता

देहरादून। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की पुण्यतिथि के अवसर पर महानगर कांग्रेसजनों ने एमडीडीए काम्प्लेक्स घंटाघर स्थित स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

आज यहां देश के महान नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं अविभाजित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की पुण्यतिथि के अवसर पर महानगर कांग्रेसजनों ने एमडीडीए काम्प्लेक्स घंटाघर स्थित स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि गढ़वाल के एक छोटे से गांव बुधाणी में सामान्य परिवार में जन्मे हेमवती नन्दन बहुगुणा ने जिस प्रकार से गढ़वाल से इलाहाबाद तक की शैक्षणिक यात्रा, छात्र राजनीति, स्वतंत्रता संग्राम और फिर देश की आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के विधायक से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, भारत सरकार के संचार मंत्री से लेकर वित्त मंत्री और लम्बे समय तक विपक्ष के नेता के रूप में देश को नेतृत्व दिया और जीवनभर जिस विचारधारा पर चले तथा कभी उन पर समझौता नहीं किया उससे उन्होंने देश की भावी पीढ़ियों को धर्मनिरपेक्षता की ठोस विचारधारा विरासत में दी और देश में वैचारिक कीर्तिमान स्थापित किये। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि हेमवती नन्दन बहुगुणा व्यक्ति नहीं बल्कि विचाधारा थे। बहुगुणा ने अपने पूरे जीवन में कभी सिद्धांतों एवं विचारधारा की कीमत पर समझौता नहीं किया। उन्होंने हमेशा कहा कि 'हिमालय टूट सकता है पर झुक नहीं सकता'। उन्होंने ने कहा कि बहुगुणा जी के ऊपर अंग्रेज सरकार ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दस हजार जिन्दा या मुर्दा इनाम रखा था और जब वे गिरफ्तार हुए तो माफी मांगने की शर्त पर अंग्रेज सरकार ने उनको छोडने की पेशकश उनके पिता के माध्यम से की थी किन्तु बहुगुणा ने माफी मांगने से साफ मना कर दिया था। इस अवसर पर पूर्व मेयर प्रत्याशी विरेन्द्र पोखरियाल, पूर्व पार्षद अनूप कपूर, सुनील कुमार बांगा, सोम प्रकाश बाल्मीकि, राजेश चंदेल, रवि बबलू, रवि प्रकाश शर्मा, सुरेश चन्द, शिव कुमार, मुकेश सोनकर, सुनील कुमार, ओमी यादव, वीरेंद्र कुमार, निखिल, कमल, सुशील डोभाल, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

# फूलदेई 2026 (तृतीय दिवस): परंपरा और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प

हमारे प्रतिनिधि

उत्तरकाशी। चैत्र माह की संक्रांति से आरंभ होकर आठ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के तृतीय दिवस पर सर्वप्रथम बाल सेवकों ने भगवान श्री काशी विश्वनाथ जी की विशेष पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात वे उत्तरकाशी जिला पंचायत अध्यक्ष के आवास पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने परंपरा के अनुसार फ्योंली सहित अन्य स्थानीय पुष्पों को देहरियों में अर्पित कर फूलदेई पर्व की शुभकामनाएँ दीं। इसके पश्चात नगर के मंगल घाट, गोपेश्वर मदिर आदि में जा कर पुष्पों को देहरियों में अर्पित किया गया।

इस अवसर पर रमेश चौहान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्त भविष्य की कुंजी है। हमारी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव हमारे जीवन मूल्यों को सुदृढ़ करता है और हमें संस्कारवान बनाता है।

इस अवसर पर अनन्या बिष्ट, वैष्णवी रावत, आस्था रावत, दिव्यांशी कुड़ियाल, श्रेयांश डोभाल, अर्नव पुंडीर, कृष्णा रावत, अंकित, मनदीप रावत, पारस कोटनाला सहित अन्य बाल सेवक, सुरेंद्र गंगाड़ी उपस्थित रहे।

# मां मनसादेवी पैदल मार्ग पर कारोबार करने की मांग

संवाददाता

हरिद्वार। मां मनसा देवी पैदल मार्ग पर कारोबार करने की मांग को लेकर लघु व्यापारियों ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां मां मनसा देवी पैदल मार्ग के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने पैदल मार्ग खुल जाने के साथ पुनः स्वतंत्र कारोबार की अनुमति की मांग को लेकर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में पुराने माल गोदाम से इकट्ठा होकर जुलूस के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में मांग दोहराई बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री ,नीलकंठ ,पूर्णागिरि इत्यादि क्षेत्रों की तर्ज पर मां मनसा देवी पैदल मार्ग को पुनः खोले जाने के साथ पैदल मार्ग पर व्यावसायिक गतिविधि संचालन करने को लेकर राजाजी नेशनल पार्क प्रशासन की निगरानी में ईको विकास समिति का गठन किए जाने की मांग को प्रमुखता से किया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा 27 जुलाई 2025 को मां मनसा देवी पर दुर्घटना हो जाने के कारण शासन प्रशासन द्वारा पैदल मार्ग को तीर्थ यात्रियों के आवागमन वह स्थानीय लघु व्यापारियों को कारोबार करने की अनुमति प्रतिबंध की गई थी। लेकिन काफी समय बीत जाने के उपरांत मां मनसा देवी पैदल मार्ग नहीं खोला गया है जो कि न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा उत्तराखंड के समस्त पर्वतीय क्षेत्रों में तीर्थ सिद्ध पीठ प्राचीन पौराणिक मठ मंदिर विद्यमान है।

सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम संबोधित ज्ञापन प्रेषित करते मां मनसा देवी पैदल मार्केट स्थानीय लघु व्यापारियों मे राजकुमार, सुनील कुकरेती ,कमल, प्रताप, दयाराम, शशिकांत, दुर्गेश, लव कुश, कृष्णागिरी, टिंकू, सुनील,मनीष शर्मा ,कुसुम, मौर्य राजकुमार, आरती गोसाई ,कमल सरकार, कंचन देवी ,मीणा, लालचंद, विजय, भोला यादव आदि भारी तादाद में लघु व्यापारी शामिल रहे।

## खोह नदी में झील निर्माण की मांग ने पकड़ा जोर

कोटद्वार(आरएनएस)। खोह नदी में झील निर्माण की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि झील निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन व्यवसाय को पंख लगेंगे। इससे व्यापारियों व लोगों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र से हो रहे पलायन पर भी अंकुश लगेगा। करीब डेढ़ वर्ग किमी में फैला पालिका क्षेत्र दुगड्डा लंगूरगाड व सिलगाड नदी के संगम पर स्थित है। इसके बाद दोनों नदियां मिलकर खोह नदी का स्वरूप ले लेती हैं। इन नदियों के पानी का उपयोग निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में हाइड्रम योजना के माध्यम से कृषि कार्यों के लिए किया जाता था। दोनों नदियों में जल संरक्षण कार्य न कराए जाने व कृषि जोत बंजर होने से प्राकृतिक जलस्रोत विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए हैं। नदियों में निरंतर जल प्रवाह बनाए रखने और बरसात समाप्त होने के बाद जल संरक्षण के लिए झील ही एकमात्र विकल्प नजर आता है। इसे देखते हुए पिछले साल शहीद मेले में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री से क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट ने दुगड्डा में झील का निर्माण कराने की मांग की थी। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष जयप्रकाश डबराल, व्यापारी बीएस भंडारी, पूर्व सैनिक जगमोहन सिंह रावत ने कहा कि पहाड़ों के प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू होने के लिए वीकेंड व पर्यटन सीजन में बाहरी राज्यों से सैकड़ों पर्यटक पहुंचते हैं। दुगड्डा के निकट नदी में झील का निर्माण कराने से पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बन सकता है। पर्यटकों के रुकने से व्यापारियों को इसका लाभ मिलेगा। क्षेत्र में हो रहे पलायन पर भी अंकुश लगेगा। क्षेत्रवासियों ने अविलंब झील का निर्माण कराने की मांग उठाई है।

## यमुनोत्री धाम के वैकल्पिक पैदल मार्ग का सुधारीकरण शुरू

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों के तहत यमुनोत्री धाम के वैकल्पिक पैदल मार्ग को सुगम बनाने के लिए वन विभाग ने सुधारीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। करीब 15 लाख की लागत से मार्ग को दुरुस्त किया जा रहा है। यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ के समय इसे वैकल्पिक मार्ग के रूप में सुचारू रूप से इस्तेमाल किया जा सके। इस वर्ष अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे जिसके साथ ही चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ होगा। यात्रा शुरू होने से पहले संबंधित विभागों की ओर से मुख्य यात्रा मार्ग के साथ-साथ वैकल्पिक मार्गों को भी आवागमन के लिए दुरुस्त किया जा रहा है। यमुनोत्री धाम के मुख्य पैदल मार्ग पर भंडेलीगाड़ से यमुनोत्री धाम तक एक वैकल्पिक पैदल मार्ग भी है। यात्रा के पीक सीजन में जब मुख्य पैदल मार्ग पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। तब मार्ग का उपयोग वैकल्पिक रास्ते के रूप में किया जाता है। इससे मुख्य मार्ग पर भीड़ का दबाव कम होता है और यात्रियों की आवाजाही सुगम बनी रहती है। अपर यमुना वन प्रभाग, बड़कोट के प्रभागीय वनाधिकारी रविन्द्र पुंडीर ने बताया कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो यात्रा शुरू होने से पहले ही इस वैकल्पिक पैदल मार्ग के सुधारीकरण का कार्य पूरा कर इसे आवागमन के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया जाएगा। उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्य की गुणवत्ता और टिकाऊपन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

## बालाकोट में हुई कार्यशाला

पिथौरागढ़(आरएनएस)। बालाकोट में शैक्षिक जन-जागरूकता कार्यक्रम व विज्ञान कार्यशाला का आयोजन हुआ। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यशाला में सहायक क्षेत्रीय निदेशक भास्कर चंद्र जोशी,उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के डॉ.सरस्वती नंदन ओझा,आदर्श अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ.विशाल कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय की ओर से संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। इस दौरान महादेव आजीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा श्रीमती कलावती देवी,अभिलाषा समिति के डॉ.कमल किशोर पंत,ग्राम प्रधान पूजा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## गैस नहीं थी तो महिला ने पार्किंग में चूल्हे में बनाया भोजन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर पालिका के वार्ड नंबर चार में रसोई गैस की किल्लत ने एक गरीब मजदूर परिवार की मुश्किल बढ़ा दी। परिवार के तीन बच्चों व बीमार घायल पति के साथ मजदूर महिला पार्किंग में लकड़ी से चूल्हा जलाने को मजबूर हो गई। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जब इस बात का पता चला तो परिवार के लिए सिलिंडर की व्यवस्था करने के साथ ही जरूरी राशन सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई। नेपाली मजदूर महिला हेमा ने बताया कि कल तक पड़ोस से गैस सिलिंडर मांग कर अपनी झोपड़ी में बच्चों के लिए खाना बना लेती थी लेकिन अब गैस की किल्लत ने दिक्कत बढ़ा दी है। कुछ दिन पहले हेमा का पति काम करते घायल हो गया था। उसका इलाज देहरादून के अस्पताल में चल रहा है। ऐसे में एक तो गैस नहीं और ऊपर से तीनों बच्चों की जिम्मेदारी हेमा के कंधों पर आ गई है। गैस न होने पर बीते शनिवार को पड़ोसी से पार्किंग में चूल्हा जलाने की अनुमति मांग कर लकड़ी के चूल्हे पर बच्चों के लिए भोजन तैयार किया। हालांकि मामला सामने आने के बाद वार्ड नंबर चार की सभासद करुणा बिष्ट सहित कई स्थानीय लोग हेमा की मदद के लिए आगे आए। परिवार को आटा चावल, तेल सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई है। सुबह गैस सिलिंडर व्यवस्था भी कर दी गई है। दूसरी ओर राजपाल पंवार, अंकित पंवार, नवीन गैरोला, बलदेव रावत आदि ने सरकार को सुदूरवर्ती क्षेत्रों में गैस आपूर्ति सुचारू करने की मांग की।

## पीजी कॉलेज में खेल मैदान बदहाल, खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा लाभ

कोटद्वार(आरएनएस)। एक ओर केंद्र सरकार छिपी खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए महत्वाकांक्षी योजना 'खेलेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया' संचालित कर रही है। वहीं, जनप्रतिनिधियों और प्रदेश सरकार की उदासीनता के चलते क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं दम तोड़ रही है। ढाई हजार की छात्र संख्या वाले पीजी कॉलेज कोटद्वार के पास अभी तक अपना खेल मैदान नहीं है।

दरअसल खेल मैदान के लिए महाविद्यालय से सटी लैंसडौन वन प्रभाग की ०.93 हेक्टेयर भूमि का हस्तांतरण अभी तक नहीं हो पाया है। कोटद्वार और आसपास के पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए उच्च शिक्षा की सुविधा नहीं होने के कारण वर्ष 1976 में पीजी कॉलेज की स्थापना की गई। पूर्व में भवन के अभाव में बुद्धा पार्क के पीछे डिग्री कॉलेज का संचालन किया जाता था। बाद में शासन की ओर से लैंसडौन वन प्रभाग के कोटद्वार रेंज कार्यालय से सटी भूमि चयनित कर कॉलेज का भवन तैयार किया गया। कॉलेज का अपना खेल मैदान नहीं होने के कारण वर्ष 1998 में शासन की ओर से एक हेक्टेयर भूमि खेल मैदान के लिए उपलब्ध कराई गई लेकिन भूमि खेल मैदान के लिए पर्याप्त नहीं थी जिससे आधा-अधूरा मैदान ही तैयार हो पाया। तब उम्मीद थी कि वन विभाग जल्द ही अवशेष ०.93 हेक्टेयर वन भूमि भी महाविद्यालय प्रशासन को हस्तांतरित कर देगा, लेकिन जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के चलते 25 साल भी उक्त चयनित वन भूमि का हस्तांतरण नहीं हो पाया है। खेल के मैदान के लिए वन भूमि के हस्तांतरण को राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीमें दो बार सर्वे कर चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान में नगरीय पेयजल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने के कार्य व महाविद्यालय में छात्रावास का निर्माण कार्य के चलते मैदान की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। छात्र-छात्राएं अभ्यास के लिए कॉलेज से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम पर निर्भर हैं। छात्रसंघ अध्यक्ष विकास कुमार का कहना है कि वन भूमि का हस्तांतरण होने पर महाविद्यालय में खेल मैदान व 4०० मीटर का एथलीट ट्रेक बन सकेगा। इसके लिए पूर्व में लैंसडौन आगमन के दौरान मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया था।

## विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट में युवाओं ने रखे विचार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। माय भारत अल्मोड़ा के तत्वावधान में जिला युवा अधिकारी आशीष पॉल के नेतृत्व में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सभागार में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय %आपातकाल के 5० वर्ष = भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक% रखा गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। यूथ पार्लियामेंट में प्रतिभागियों ने लोकतंत्र, आपातकाल और उससे मिलने वाले सबक पर अपने-अपने दृष्टिकोण रखे। प्रतियोगिता में कनक जोशी ने प्रथम, सत्यम पांडे ने द्वितीय, अमित बिष्ट ने तृतीय, गीतांजलि पांडे ने चतुर्थ तथा तनुजा देवताला ने पंचम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. जगत सिंह बिष्ट मुख्य अतिथि तथा डॉ. देवेंद्र धामी और डॉ. रुबीना अमान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका डॉ. इला साह, डॉ. पूरन जोशी, डॉ. रामचंद्र मौर्य, डॉ. गिरीश अधिकारी और डॉ. आस्था नेगी ने निभाई, जबकि मंच संचालन डॉ. रविंद्र नाथ पाठक ने किया। कार्यक्रम अधिकारी तथा एनएसएस संयोजक देवेंद्र सिंह धामी रहे। इस अवसर पर माय भारत के वॉलिंटियर आरुषि बिष्ट, पूजा बिष्ट, पूनम डंगवाल, अक्षय वर्मा, महिंद्र सिंह महरा, विवेक सुयाल, संदीप सिंह नयाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## पंच परिवर्तन विषय पर हुई ग्राम गोष्ठी आयोजित

ऋषिकेश(आरएनएस)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पंच परिवर्तन अभियान के तहत पंच परिवर्तन विषय पर ग्राम गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के बच्चों, महिलाओं और युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होने को जागरूक किया गया। रामझूला स्थित दर्शन महाविद्यालय में जयदेव प्रसाद उमा दत्त कुड़ियाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज चौदहबीघा में आयोजित गोष्ठी में वरिष्ठ अध्यापक प्रदीप रावत ने समाज के बीच स्व का बोध, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे पंच परिवर्तन विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी से इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। दर्शन महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य सुशील नौटियाल ने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना आवश्यक है। शिक्षा विद् रामकृष्ण पोखरियाल ने कहा कि पंच परिवर्तन अभियान समाज में जागरूकता और समरसता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी रावत ने कहा कि शिक्षित और संस्कारित बेटियाँ ही समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने पंच परिवर्तन अभियान तथा विद्या भारती के पांच आधारभूत विषयों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

## कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को दी नए कानून की जानकारी

रुड़की(आरएनएस)। नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर थाना परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को नए कानूनी प्रावधानों और उनकी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। थाना झबरेड़ा परिसर में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में न्यायालय रुड़की की अभियोजन अधिकारी सदफ कुरैशी उपस्थित रहीं। उन्होंने पुलिस बल को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के महत्वपूर्ण बदलावों की जानकारी दी। ई-साक्ष्य को संकलित करने और न्यायालय में पेश करने की तकनीकी बारीकियों को समझाया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के ठोस आधार और रिमांड प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली कानूनी सावधानियों पर चर्चा हुई। कार्यशाला के अंत में पुलिसकर्मियों द्वारा पूछे गए सवालों के बारे में बताया गया और उनके सुझावों का निराकरण किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नए कानूनों के तहत विवेचना में पारदर्शिता लाना और कानूनी प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाना है। इस अवसर पर थानाध्यक्ष अजय शाह सहित पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

## पेंशनरों की समस्याओं पर गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन की बैठक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन जनपद अल्मोड़ा की मासिक बैठक हिमसागर होटल में आयोजित हुई।

बैठक में पेंशनरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त नियमित पेंशनरों ने बताया कि उन्हें पिछले दो माह से पेंशन नहीं मिली है। कई पेंशनर वर्ष 1996 से पहले से पेंशन प्राप्त कर रहे थे, लेकिन उनकी पेंशन बिना किसी स्पष्ट कारण के रोक दी गई है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष हेमचन्द जोशी ने पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति देयों का भुगतान न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस विषय में विधानसभा में भी सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य प्राधिकरण पर कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से कटौती कर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो उचित नहीं है। गोल्डन कार्ड के अंतर्गत की गई कटौती का अब तक ऑडिट भी नहीं किया गया है। बैठक में मांग की गई कि लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त पेंशनरों को शीघ्र पेंशन का भुगतान किया जाए, चिकित्सा प्रतिपूर्ति देयों का जल्द भुगतान हो तथा सेवानिवृत्त पेंशनरों की राशिकरण कटौती की अवधि 15 वर्ष से कम की जाए। इसके साथ ही 65, 7० और 75 वर्ष की आयु पर पेंशन में वृद्धि करने की मांग भी उठाई गई। बैठक में विधायक मनोज तिवारी द्वारा गोल्डन कार्ड के मुद्दे को विधानसभा में उठाने पर उनका आभार भी व्यक्त किया गया। अंत में लोक गायक दिवान सिंह कनवाल के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में आनंद सिंह बगड़वाल, गोकुल सिंह रावत, पी.एस. सत्याल, पुष्पा कैड़ा, रमेश चन्द्र पांडेय, सुनयना मेहरा, गजेन्द्र सिंह नेगी, पी.एस. जोशी, आई.सी. जोशी, मदन सिंह मनराल, बी.सी. पंत, किशोर चन्द्र जोशी, देव सिंह टंगड़िया, गिरीश चन्द्र जोशी, मोहन सिंह विरोड़िया, गिरीश चन्द्र तिवारी, धाराबल्लभ पांडेय, विपिन चन्द्र जोशी सहित कई पेंशनर मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता हेमचन्द जोशी और संचालन चन्द्र मणि भट्ट ने किया।

# सहजन के फूलों से भी बनाए जा सकते हैं कई लजीज पकवान!

सहजन का इस्तेमाल खान-पान में खास तौर से किया जाता है। हालांकि, इसके फूलों को जल्दी उपयोग नहीं किया जाता। ये फूल न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। सहजन के फूलों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। आइए आज हम आपको सहजन के फूलों से बनने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।

सहजन के फूलों की टिक्की

सहजन के फूलों की टिक्की एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप शाम की चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को मैश करें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर तवे पर सेंकें या तेल में तलें। ये टिक्कियां कुरकुरी और स्वादिष्ट होती हैं, जो हर किसी को पसंद आती हैं।

सहजन के फूलों की सब्जी

सहजन के फूलों की सब्जी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और मसालों का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और उन्हें पकने दें। इस सब्जी को धीमी आंच पर पकाएं, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसे रोटी या चावल के साथ खाया जा सकता है। आप इसमें सहजन के पौधे के अन्य हिस्से भी डाल सकते हैं।

सहजन के फूलों की चटनी

अगर आप अपने खाने में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो सहजन के फूलों की चटनी जरूर बनाएं। इसके लिए सबसे पहले सूखे नारियल को भून लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और नमक मिलाकर पीस लें। इस चटनी को दाल-रोटी या पराठे के साथ खाया जा सकता है। यह चटनी आपके खाने का स्वाद बढ़ा देगी और उसके पोषण मूल्य को भी बढ़ा देगी।

सहजन के फूलों की खीर

खीर तो आपने कई तरह की खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी सहजन के फूलों की खीर चखकर देखी है? अगर नहीं तो इसे एक बार जरूर बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध उबालें, फिर उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और पकने दें। अब इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। इस खीर को ठंडा करके परोसें और ऊपर से मेवे डालना न भूलें।

सहजन के फूलों का रायता

रायता खाने के साथ एक अच्छा संगत होता है। सहजन के फूलों का रायता बनाने के लिए दही को फेंट लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, भूना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक मिलाएं। इस रायते को ठंडा करके अपने खाने के साथ परोसें। यह रायता आपके खाने को और भी खास बना देगा और पेट को भी फायदा पहुंचाएगा। आप इसमें अन्य सब्जियां भी डाल सकते हैं।

# मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं।

उपाय:

(1) नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुत्र हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।

(2) शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।

(3) कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।

(4) माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं दांत

दांतों में संवेदनशीलता, नसों में संक्रमण और मसूड़ों की बीमारी आदि दर्दनाक समस्याएं पैदा कर सकती हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दांतों की समस्याएं शरीर में होने वाली किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं? मौखिक स्वच्छता का ध्यान रखने से न केवल दांत स्वस्थ रहते हैं, बल्कि हमें समग्र रूप से स्वस्थ रहने में भी मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि दांत सेहत के बारे में क्या-क्या बताते हैं।

दांतों का किटकिटाना हो सकता है स्लीप एपनिया का संकेत

स्लीप एपनिया नींद से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण व्यक्ति को सोते वक्त सांस लेने में मुश्किल होती है और उसकी रात में बार-बार नींद खुलती है। इसके सामान्य लक्षणों में खर्राटे लेना, दांत किटकिटाना और सोते समय सांस लेने में हांफना शामिल हैं। अगर इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर, लीवर की समस्याएं और यहां तक कि मनोभ्रंश जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

पीले मसूड़े हो सकते हैं एनीमिया का लक्षण

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जो आयरन की कमी या फिर शरीर के लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण नहीं करने के कारण होती है। इससे आप काफी कमजोर और थका हुआ महसूस कर सकते हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में पुरुषों की तुलना में एनीमिया का खतरा अधिक होता है क्योंकि वे अधिक आयरन खो देती हैं। एनीमिया के अलावा कई अन्य चिकित्सीय स्थितियों के कारण भी मसूड़े के ऊतकों का रंग हल्का गुलाबी-सफेद हो सकता है।

दांतों का खराब होना किडनी की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

जब किसी को किडनी की बीमारी होती है तो उसे मुंह में समस्या हो सकती है। इसके कारण मुंह में घाव होना, चीजों के स्वाद में बदलाव महसूस होना और पर्याप्त लार नहीं बनने के कारण मुंह सूखना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। जब मुंह सूख जाता है तो यह अधिक अम्लीय हो जाता है, जिससे दांतों में गंभीर सड़न हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप दांत खराब हो सकते हैं।

एचआईवी का लक्षण है ओरल थ्रश

मुंह में फंगल होने की समस्या को चिकित्सक भाषा में ओरल थ्रश कहा जाता है। यह एक तरह का संक्रमण है, जो कैंडिडा नामक फंगस के कारण होता है और इसके कारण मुंह के अंदर घाव और खाना निगलने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। यह संक्रमण एचआईवी से ग्रस्त लोगों में होना सामान्य माना जाता है, इसलिए अगर आपके मुंह में फंगल हो तो इसे हल्के में ना लेकर डॉक्टर से संपर्क करें।

हो सकता है कि कुछ लोगों को इस बात का पता न हो, लेकिन हमारे दांतों के आसपास की हड्डी उन्हें सहारा देने के लिए नींव का काम करती है। ऐसे में अगर किसी भी कारणवश ऑस्टियोपोरोसिस होता है तो इसका दांतों की पकड़ पर बुरा असर पड़ता है। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि एक सामान्य छींक आने से कूल्हे, रीढ़ और कलाई में फ्रैक्चर हो सकता है।

## शब्द सामर्थ्य -075

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

**ऊपर से नीचे**

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

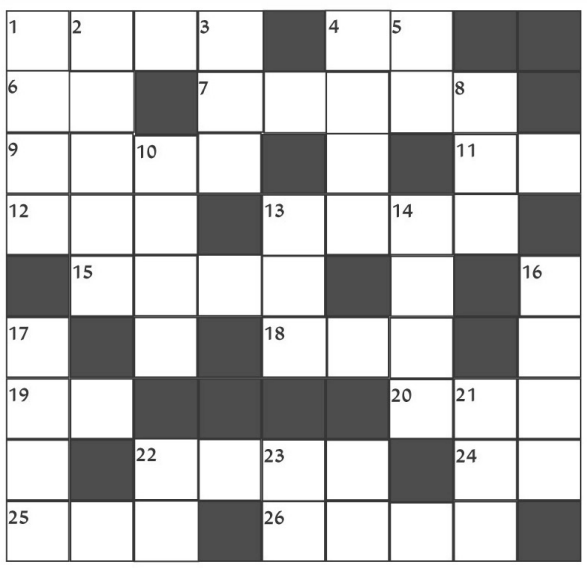

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दि | क्क | त | | आ | सा | न | | आ |
| ल | | मी | | खि | | सी | ख | ना |
| | म | ज | बू | र | | ह | | जा |
| स | र्द | | | का | | त | रा | ना |
| र | | | | र | वि | | ह | |
| प | ह | ना | ना | | ना | रा | ज | |
| ट | | | क | शि | श | | नी | ला |
| | र | | | का | | रा | | य |
| खा | ति | र | दा | री | | त | क्ष | क |

# डकैत: एक प्रेम कथा फिल्म अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में टॉक्सिक' और धुरंधर- द रिवेंज' रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत- एक प्रेम कथा' भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब डकैत' के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है।

टॉक्सिक' और धुरंधर- द रिवेंज' जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए डकैत' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली डकैत' अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

इस फैसले की वजह टॉक्सिक' और धुरंधर 2' जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि डकैत' लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे। डकैत' के निर्माताओं ने दोनों फिल्मों और उनकी क्रिएटिव टीमों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि फिल्म को उसका उचित स्थान मिले और दर्शक प्रत्येक फिल्म को अपने-अपने तरीके से अनुभव कर सकें।

शेनिल देव द्वारा निर्देशित डकैत' की कहानी एक ऐसे गुस्सैल कैदी की कहानी है, जो अपनी धोखा देने वाली पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। पिछले साल दिसंबर में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था।

टीजर सामने आने के बाद से ही फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब उनका इंतजार थोड़ा लंबा रहने वाला है।

# टॉक्सिक में दमदार एक्टर सुदेव नायर की हुई एंट्री

टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है. रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म के एक और किरदार से पर्दा हटाया है. साथ ही उस किरदार का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया है. इतना ही नहीं, जब से फिल्म का टीजर सामने आया है, तब से लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या फिल्म में यश डबल रोल निभा रहे हैं? अब इस सवाल का भी आधिकारिक जवाब आ गया है.

केजीएफ स्टार यश ने टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स से नए किरदार से पर्दा हटाया है. उन्होंने फिल्म से सुदेव नायर का फर्स्ट लुक जारी किया है. पोस्टर साझा करते हुए रॉकी भाई ने सुदेव के किरदार से परिचय कराते हुए कैप्शन में लिखा है, टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में सुदेव नायर को कर्मादी के रूप में पेश करते हैं. टॉक्सिक 19-03-2026 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में.

पोस्टर में सुदेव हाथ में मशीन गन थामे धांय-धांय गोलियां चलाते दिख रहे हैं. होंठ से सनग्लासेस को पकड़े वह काफी डैशिंग लग रहे हैं. उनके किरदार से ऐसा लग रहा है कि वह फिल्म में कॉप टीम के मेंबर हैं.

सुदेव नायर के फर्स्ट लुक से पहले यश के लुक का ट्रांसफॉर्मेशन का वीडियो सामने आया. इस वीडियो को किसी और ने नहीं, बल्कि मशहूर सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिश एलेक्स विजयकांत ने शेयर किया है. इस वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, जब भरोसा सच्चा होता है, तो काम खुद बोलता है. इतनी बड़ी चीज का हिस्सा बनने के लिए शुक्रगुजार हूं.

दरअसल, हाल ही गीतू मोहनदास की कन्नड़-इंग्लिश फिल्म टॉक्सिक काटीजर रिलीज किया था. एक चीज जिसने सबका ध्यान खींचा, वह यह थी यश का दो अलग-अलग लुक. उन्होंने अपने ट्रेडमार्क लंबे बाल और दाढ़ी को हटाकर क्लीन-शेव, छोटे बालों वाला लुक अपनाया.

टॉक्सिक के टीजर का अंत यश के नए लुक के साथ होता है, जिसमें वह कहते हैं, मैं घर आ गया हूं डैडी. फैंस यश के दो अलग-अलग कैरेक्टर निभाने की बात से बहुत खुश है. स्टाइलिस्ट के शेयर किए गए वीडियो में दिखाया गया कि फिल्म के लिए उनका लुक कैसे बनाया गया. इससे पहले, टॉक्सिक के सोशल मीडिया पेज ने यश के लुक की एक झलक शेयर की थी, जिसमें उनका नाम टिकट बताया गया था और उनके डबल रोल कंफर्म किए गए थे.

बता दें, मेकर्स ने फिल्म के अन्य किरदारों के नाम पहले ही बता दिए हैं. फिल्म में नयनतारा गंगा का रोल करेंगी, जबकि कियारा आडवाणी नादिया का, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ का, रुक्मिणी वसंत मेलिसा का और तारा सुतारिया फिल्म में रेबेका का रोल करेंगी.

टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स इस साल 19 मार्च को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. यश और गीतू मोहनदास की लिखी और गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट किया गया है. इसके हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई दूसरी भाषाओं में डब वर्शन प्लान किए गए हैं.

# शोहरत का दौर आता-जाता रहता है - जोया अफरोज

जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट हम साथ साथ हैं' और मन' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज कोरा कागज' और सोन परी' में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई।

कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था।

जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए।

जोया के मुताबिक, आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते।'

वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म ये दिल सुन रहा है' को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।

जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आई थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

# उस्ताद भगत सिंह के खलनायक पार्थिबन का पहला लुक जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म उस्ताद भगत सिंह से प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं। निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित यह एक्शन एंटरटेनर 26 मार्च, 2026 को भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

फिलहाल, फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य तेजी से चल रहा है। इस फिल्म में पवन कल्याण के साथ श्रीलीला और राशि खन्ना नायिकाओं की भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में, फिल्म टीम ने इस फिल्म के खलनायक के किरदार का पहला लुक जारी किया, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बना। तमिल अभिनेता पार्थिबन इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

रिलीज़ हुए कैरेक्टर पोस्टर में पार्थिबन बेहद डरावने और दमदार अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं और काफी प्रभावशाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नल्ला नागप्पा है। पहले लुक से ही साफ है कि पार्थिबन का राजनीतिक नेता का किरदार कहानी में अहम भूमिका निभाने वाला है। खासकर, दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि निर्देशक हरीश शंकर ने पवन कल्याण और पार्थिबन के बीच टकराव के दृश्यों को किस तरह फिल्माया है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद इस बड़े बजट की फिल्म का संगीत दे रहे हैं, जिसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। रिलीज़ हो चुका पहला गाना अच्छा रिस्पॉन्स पा चुका है और मेकर्स जल्द ही दूसरा गाना रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। निर्देशक दशरथ कहानी लेखन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

इस फिल्म में आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी, केजीएफ फेम अविनाश और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। विशाल कलाकारसमूह, दमदार एक्शन और राजनीतिक पृष्ठभूमि से सजी यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब देखना यह है कि रिलीज से पहले खलनायक के फर्स्ट लुक से चर्चा में आई उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाएगी।

# घनसाली में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता परेशान

नई टिहरी(आरएनएस)। घनसाली में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता परेशान हैं। वहीं नरेंद्रनगर में रसोई गैंस की बुकिंग का समय 45 दिन किए जाने पर लोग भड़क उठे। घनसाली बाजार में चार दिन बाद रसोई गैस सिलिंडर का ट्रक पहुंचा लेकिन कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। स्थानीय निवासी विजय चौहान, राजू कुमार ने बताया कि गत कई दिनों से क्षेत्र में रसोई गैस की नियमित आपूर्ति नहीं होने से घनसाली बाजार के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सिलिंडर लेने के लिए वह सुबह चार बजे से ही लाइन लगे थे। करीब 6० से अधिक लोगों को रसोई गैस नहीं मिल पाई है। भिलंगना ब्लॉक के क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी अमित भंडारी ने बताया कि एक ट्रक 288 सिलिंडर के लेकर पहुंचा था। सोमवार को फिर से घनसाली सिलिंडर आएंगे। लोगों को रसोई गैस को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक सिलिंडर पर फिलहाल रोक लगी है। इधर नरेंद्रनगर के लिए गैस बुकिंग के लिए 45 दिन रखे जाने से नरेंद्रनगर के लोगों में आक्रोश है। स्थानीय निवासी सूरत सिंह आर्य, मानवेंद्र रागंड का कहना कि नरेंद्रनगर ऐतिहासिक शहर है बावजूद प्रशासन ने शहर को ग्रामीण क्षेत्र के दायर में रखा है।

# आंगनबाड़ी वर्कर्स को बाल्यावस्था देखभाल की जानकारी दी

चम्पावत(आरएनएस)। लोहाघाट डायट में आंगनबाड़ी वर्कर्स का बाल वाटिका के तहत पांच दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। प्रशिक्षण में छह एमटी सहित 3० आंगनबाड़ी वर्कर्स ने प्रतिभाग किया। डायट सभागार में प्राचार्य दिनेश खेतवाल ने कोलेकेटेड आंगनबाड़ी वर्कर्स के प्रशिक्षण का समापन किया। मुख्य सदर्भदाता पुष्पा पाटनी, सोनम बसेड़ा, मीना बोहरा, सीमा जोशी, दीपा पांडेय, अनिता माहरा, गोविंदी मेहता ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में बताया। इस दौरान डायट के विषय विशेषज्ञों ने प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, खेल आधारित अधिगम, जादुई पिटारा, पाठ्यचर्या के उद्देश्य, दक्षताएं और सीखने के प्रतिफल,समावेशी शिक्षा,स्क्रीनिंग, लिंग समानता, बाल वाटिका में समुदाय की सहभागिता, भूमिका, सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्स, बुनियादी घटक, ध्वनि जागरुकता, शब्द भंडार, वर्ण डिकोडिंग, धारा प्रवाह, पठन, एवं समझ पेटर्न आदि विषयों पर जानकारियां दी। समापन पर प्रवक्ता डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव, केआरपी समन्वयक शिवराज सिंह तड़ागी, समद्र बालिका शिक्षा जिला परियोजना चम्पावत ऊषा बिष्ट, जिला योजना अधिकारी मान सिंह, डॉ. अवनीश शर्मा, मनोज भाकुनी, कृष्ण सिंह ऐरी, अनिल मिश्र, राम बालक मिश्र,प्रियंका रस्तोगी, गरिमा जोशी,दीक्षा कृष्णा उप्रेती आदि मौजूद रहे।

## सू- दोकू क्र.075

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| 3 | | | 4 | | | 2 | | |
| | | | | | | | 6 | |
| 6 | | | | | 4 | | | |
| | 9 | | 5 | | | 6 | | 1 |
| | | | | | | | | |
| 4 | | 3 | | | 9 | | | 2 |
| | 8 | | 2 | | | | 7 | |
| 1 | | 2 | | 4 | | 9 | | 6 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.74 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 7 | 6 | 9 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | 3 | 9 | 2 | 8 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 4 | 5 | 2 | 3 | 7 | 6 | 9 | 1 | 8 |
| 2 | 8 | 5 | 4 | 6 | 7 | 1 | 9 | 3 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 9 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 6 | 9 | 4 | 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 2 |
| 9 | 4 | 1 | 6 | 2 | 8 | 3 | 7 | 5 |
| 7 | 2 | 8 | 5 | 1 | 3 | 6 | 4 | 9 |
| 5 | 6 | 3 | 7 | 4 | 9 | 8 | 2 | 1 |

# सेम मुखेम मंदिर क्षेत्र में बढ़ेगी सुविधाएं, दो करोड़ मंजूर

नई टिहरी(आरएनएस)। सेम मुखेम मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भड़बागीसौड़ से मंदिर तक करीब दो किमी लंबे पैदल मार्ग पर टिनशेड, कैनोपी और रेलिंग लगाने का कार्य किया जाएगा। कार्यों के लिए प्रदेश सरकार की ओर से दो करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था के लिए 24 लाख रुपये की लागत से बनी धर्मशाला भी तैयार हो चुकी है जिसका जल्द लोकार्पण किया जाएगा। सेम-मुखेम मंदिर समिति के अध्यक्ष गोविंद रावत ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने मंदिर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय स्वीकृति देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। अध्यक्ष रावत ने बताया कि वर्ष 2०17 से अब तक प्रदेश सरकार की ओर से सेम मुखेम धाम के विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री धामी ने सेम-मुखेम मेले को राजकीय मेला घोषित किया है। इसके अलावा पर्यटन विभाग की ओर से यहां गेस्ट हाउस संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पार्किंग सुविधा विकसित की जा रही है। कौडार-दीनगांव-मुखेम मोटर मार्ग को डेढ़ लेन किया जा रहा है जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि इस बार आयोजित मेले में देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए पहुंचे, जो क्षेत्र के बढ़ते धार्मिक पर्यटन का संकेत है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सस्ती लोकप्रियता के लिए पूर्व विधायक विजय पंवार और उनके प्रस्तावों पर स्वीकृत सड़कों का श्रेय ले रहे है जबकि मुखेम-धनड़गांव, सदगांव-रैका और सौंदगढ़-चाका-सिलोड़ा मोटर मार्ग को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल कराकर पूर्व विधायक ओर से ही वित्तीय स्वीकृति दिलाई गई है। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामलाल नौटियाल, मंडल अध्यक्ष विजय कठैत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख खेम सिंह चौहान, जयेंद्र पंवार, मंदिर समिति के सचिव अजय रावत, जयवीर मियां, रमेश पेटवाल मौजूद रहे।

## कई निजी स्कूलों में ली जा रही अनावश्यक धनराशि

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर क्षेत्र के निजी स्कूलों में विभिन्न मदों के नाम पर ली जा रही फीस को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल पानी, बिजली, बिल्डिंग मेंटेनेंस, कंप्यूटर सहित अन्य खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क जोड़कर मोटी रकम वसूल रहे हैं।

आरटीआई कार्यकर्ता कुशलानाथ ने आरोपी लगाया कि कई निजी स्कूलों में रीएडमिशन फीस सीधे तौर पर न लेकर दूसरे नामों से वसूली जा रही है। कई स्कूलों के अपने निजी भवन होने के बावजूद मेंटेनेंस शुल्क के नाम पर धनराशि लेना समझ से परे है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विकास शुल्क के नाम पर भी अभिभावकों से रकम ली जा रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए अधिकांश अभिभावक खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। कुशलानाथ ने कहा कि इस मामले को लेकर जल्द ही शिक्षा विभाग से बातचीत की जाएगी और यदि समाधान नहीं निकला तो धरना भी दिया जाएगा। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी अश्विनी रावत ने कहा कि यदि कोई स्कूल छात्रों से किसी भी प्रकार का शुल्क लेता है तो उसे स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किस मद में लिया जा रहा है। स्कूलों की ओर से ली जाने वाली राशि का पूरा विवरण देना अनिवार्य है ताकि अभिभावकों को पारदर्शिता के साथ जानकारी मिल सके।

# पिकनिक स्पॉट-भोनाबागी टूरिस्ट रोड की सुध नहीं ले रहा लोनिवि

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय में पिकनिक स्पॉट से चवालखेत होते हुए भोनाबागी 2.5 किमी टूरिस्ट रोड की लोनिवि कोई सुध नहीं ले रहा है जिससे जंगल के बीच रमणीक स्थल से जा रही कच्ची सड़क चार-पांच साल से वीरान पड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क का सुधारीकरण और डामरीकरण होने से चवालखेत क्षेत्र पर्यटकों की पसंदीदा जगह बन सकती है। कलेक्ट्रेट से करीब तीन सौ मीटर दूर पिकनिक स्पॉट-चवालखेत-भोनाबागी मोटर मार्ग की कटिंग करीब पांच साल पहले पूरी हो गई थी। जंगल के बीच रमणीक स्थल से जा रही सड़क पर कई व्यू प्वाइंट हैं जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकती है। यही नहीं रोड से आवागमन करने से भोनाबागी से नई टिहरी की दूरी भी तीन किमी कम होगी। बावजूद सड़क का सुधारीकरण और डामरीकरण नहीं किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अभी तक स्थानीय लोग ही रोड का उपयोग कर रहे हैं लेकिन उन्हें भी कच्ची सड़क पर उड़ने वाली धूल से खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क बनती है तो पर्यटक माँ सुरकंडा, चंबा शहर, थौलधार का ग्रामीण क्षेत्र और हिमालय की बर्फीली चोटियों का दीदार करने के साथ ही नई टिहरी नगर का विहंगम दृश्य देखते हुए पिकनिक स्पॉट पहुंच सकते हैं लेकिन विभाग ने पहले चरण की कटिंग करने के बाद इस रोड को ऐसी ही छोड़ दिया है। उन्होंने मार्ग का जल्द सुधारीकरण और डामरीकरण करने की मांग की है।

# सिंगटाली पुल का निर्माण जल्द पूरा किया जाए

कोटद्वार(आरएनएस)। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने गंगा नदी पर बहुप्रतीक्षित सिंगटाली पुल निर्माण अविलंब शुरू करने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। लंबे समय से लटके 57 करोड़ की लागत से बनने वाले 15० मीटर लंबे सिंगटाली पुल की वित्तीय स्वीकृति पिछले साल हो चुकी है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि पिछले डेढ़ दशकों से सिंगटाली पुल का मामला लंबित है। शासन की वित्त समिति की ओर से स्वीकृति दिए जाने के बाद पुल निर्माण की अन्य औपचारिकताएं भी शीघ्र पूरी कर पुल का निर्माण किया जाए। सिंगटाली पुल निर्माण से सतपुली से देहरादून की दूरी 25 किमी तक कम हो जाएगी। इससे जनपद के एकेश्वर, द्वारीखाल, कल्जीखाल, जयहरीखाल, पोखड़ा, थलीसैंण ब्लॉक के सैकड़ों गांवों के ग्रामीणों के राजधानी देहरादून तक पहुंचने में धन और समय दोनों की बचत होगी। सिंगटाली पुल कौड़ियाला में गंगा नदी पर सिंगटाली नामक स्थान पर बनना है। सतपुली से व्यासघाट और कांडी खंड होते हुए सीधे सतपुली क्षेत्र को कौड़ियाला से जोड़ेगा और सतपुली से देहरादून जाने के लिए व्यासघाट से देवप्रयाग नहीं जाना पड़ेगा।

# सर्वे की फाइलों में दबी सालू गांव की सड़क

उत्तरकाशी(आरएनएस)। भटवाड़ी विकासखंड का सालू गांव सड़क से नहीं जुड़ने से छात्र-छात्राओं को आज भी स्कूल पहुंचने के लिए करीब छह किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि बाजार से सामान ले जाने पर ढुलान के कारण उसकी कीमत दोगुनी हो जाती है।

सड़क निर्माण के लिए पहले लोनिवि और पीएमजीएसवाई विभाग भी सर्वे तक सीमित रह गया है। सालू गांव की ग्राम प्रधान अनूपा रावत, नवीन रावत ने बताया कि उनके गांव में सड़क नहीं पहुंचने से आज भी वह आदम युग में जीने को मजबूर हैं।

उनका कहना है कि सड़क नहीं होने के कारण उनके स्कूली बच्चों को करीब छह किमी की घने जंगलों के बीच से पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। इस दौरान जंगली जानवरों का भय बना रहता है। कहा कि सड़क के लिए पहले लोक निर्माण विभाग ने सर्वे किया। वह आगे नहीं बढ़ पाया। वहीं, अब पीएमजीएसवाई विभाग को यह हस्तांतरित हुई है लेकिन उनकी ओर से भी अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सड़क नहीं होने के कारण आज भी बीमार को डंडी-कंडी से ही अस्पताल पहुंचाया जाता है।

सबसे अधिक नुकसान नकदी फसलों का होता है। गांव में आलू सहित अन्य नकदी फसलों का उत्पादन होता है लेकिन सड़क नहीं होने और भाड़ा आदि अधिक होने के कारण कई बार फसलें गांव में ही सड़ का खराब हो जाती है।

उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन से कई बार लिखित शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता शुभाशीष राणा ने कहा कि सड़क का सर्वे किया गया है। जल्द ही डीपीआर तैयार करने की कार्रवाई होगी। सड़क निर्माण प्रक्रिया अभी लंबा समय लग सकता है।

# नैनीताल बैंक ने दी एम्बुलेंस, जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए द नैनीताल बैंक लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के अंतर्गत जिला चिकित्सालय बागेश्वर को एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस प्रदान की। आज जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला अस्पताल परिसर से एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बैंक द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर ताइक्वांडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रियंशु मेहता एवं सौरभ रावल को सम्मानित किया गया, जबकि राज्य स्तर पर वॉलीबॉल के नवीन गड़िया तथा बैडमिंटन की हिमांशी गड़िया एवं तनुजा गड़िया को भी सम्मान प्रदान किया गया।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने बैंक की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि एम्बुलेंस की उपलब्धता से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में सहायता होगी। उन्होंने कहा कि सीएसआर फंड का सबसे अधिक लाभ दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में मिलता है, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुमार आदित्य तिवारी ने बताया कि नई एम्बुलेंस के संचालन से विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे रेफरल सेवाएं भी बेहतर होंगी। द नैनीताल बैंक लिमिटेड के सीईओ एस. के. लाल ने कहा कि बैंक समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में निरंतर योगदान देता रहा है। खिलाड़ियों का सम्मान युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, जिला चिकित्सालय के चिकित्सकगण, बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# 37वीं पुण्य तिथि पर कांग्रेस ने की एचएन बहुगुणा को भारत रत्न देने की मांग

संवाददाता

देहरादून। हेमवती नंदन बहुगुणा की 37वीं पुण्य तिथि पर कांग्रेस ने उनको भारत रत्न देने की मांग की।

आज यहां भारत के पूर्व वित्त, पेट्रोलियम व रसायन मंत्री व उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश में हिमालय के चंदन हेमवती नंदन के नाम से मशहूर देश के महान नेता स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की ३७वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस की ओर से दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा को देश व समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान व स्वच्छ तथा सिद्धांतों की राजनीति करने के लिए भारत रत्न देने की मांग की।

उन्होंने स्वर्गीय बहुगुणा को एक धर्मनिरपेक्ष व दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि देश के पेट्रोलियम मंत्री के कार्यकाल के दौरान 1978 में अनेक विशेषज्ञों द्वारा जब देश में पेट्रोल डीजल व प्राकृतिक गैस की कमी की भविष्यवाणी की गई और ईरान में इस्लामिक क्रांति की सुगबुगाहट के कारण खाड़ी के देशों से कच्चे तेल की सप्लाई में परेशानी आने लगी तो बहुगुणा ने लीबिया के तत्कालीन शासक कर्नल गद्दाफी से मिलने का निश्चय किया जिसमें वो सफल हुए और सात मार्च से दस मार्च चार दिवसीय लीबिया का दौरा कर कर्नल गद्दाफी से मुलाकात की। इस मुलाकात में बहुगुणा ने कर्नल गद्दाफी को इतना प्रभावित किया कि वे भारत को दो लाख मैट्रिक टन कच्चा तेल देने को तैयार हो गया और फिर भारत का लीबिया के साथ करार हुआ जिसकी पूरे देश में प्रशंसा हुई। धस्माना ने कहा कि हेमवती नंदन बहुगुणा ने देश भर में रसोई गैस आम जनता को उपलब्ध कराने के लिए व्यापक पैमाने पर गैस वितरण एजेंसियों का आवंटन किया और पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के आश्रितों को बड़े स्तर पर गैस एजेंसियों दीं। धस्माना ने कहा कि आज जब ईरान अमरीका इजरायल के युद्ध के कारण देश में रसोई गैस की किल्लत हो रही है और आने वाले दिनों में युद्ध ना रुकने की स्थिति में पेट्रोल डीजल की कमी का सामना भी करना पड़ सकता है तब ऐसी परिस्थितियों में स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की दूरदृष्टी व नीतियों की बहुत कमी महसूस हो रही है।

धस्माना ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में हेमवती नंदन बहुगुणा की भूमिका से लेकर देश की आजादी के बाद लगभग साढ़े चार दशकों तक बहुगुणा उत्तरप्रदेश से केंद्र तक राजनीति के केंद्र में रहे और उन्होंने अपना राजनैतिक प्रशासनिक व सामाजिक कौशल का योगदान देश को दिया जो आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देता रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता शीश पाल सिंह बिष्ट, श्रम प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दिनेश कौशल, सरदार अमरजीत सिंह, अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अमीचंद सोनकर, श्रीमती पूनम कंडारी, सुनील जायसवाल, आनंद सिंह पुंडीर, गगन छाछर, आदर्श सूद, श्रीमती सुशीला शर्मा, वीरेश शर्मा, यामीन खान, शरीफ बेग,चंद्रपाल, विवेक घिल्डियाल, नोहर सिंह, मनीष गर्ग, वीरेंद्र पंवार आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अंदरूनी असंतोष से बीजेपी में 'विद्रोह'

**●भाजपा नेता के पीएम मोदी के बयान को कोट कर सन्यास लेने की धमकी से बना मामला संवेदनशील**
**●अंदरूनी नाराजगी का चेहरा बने भाजपा नेता अजेंद्र अजय, कांग्रेस भी हो गई है मामले में सक्रिय**
**●आंतरिक कलह सार्वजनिक होने से भाजपा असहज, हाईकमान तक पहुंच गया है मामला**

## मामले में कांग्रेस ने एंट्री

भाजपा में हलचल के बीच कांग्रेस सक्रिय होकर सरकार और भाजपा को घेरने की रणनीति बना रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा के भीतर बढ़ती नाराजगी का संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि अजेंद्र अजय ने जो कहा है, वह केवल उनकी व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि भाजपा के कई कार्यकर्ताओं की भावना को दर्शाता है।

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में पार्टियों के नेताओं की नाराजगी कोई नई बात नहीं है। भाजपा में अंदरूनी असंतोष का हम पहले ही खुलासा कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी पार्टी के अंदर किस तरह के हालात है यह बीकेटीसी के पूर्व अध्यक्ष की सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के बयान को कोट कर सन्यास लेने की धमकी से स्पष्ट हो गई है। वही दूसरी ओर कांग्रेस भी भाजपा के अंदरूनी असंतोष के मुद्दे को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए तैयार हो गई है।

राजनीतिक जानकार बताते है कि भाजपा आंतरिक कलह आज कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी कई नेता सरकार और पार्टी को असहज कर चुके हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविंद पांडे,बिशन सिंह चुफाल, चौंपियन,पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत सहित कई ऐसा नेता है जो समय-समय पर अपनी ही पार्टी और सरकार के खिलाफ बयानवाजी कर राजनीतिक हलकों में सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इस बार मामला भाजपा के लिए पीएम मोदी के नाम का जिक्र होने के कारण संवेदनशील हो गया है।

बता दें कि उत्तराखंड राज्य में भाजपा की राजनीतिक स्थिति मजबूत मानी जाती है। दूसरी ओर समय-समय पर पार्टी के भीतर से उठने वाली नाराजगी की आवाजें नेतृत्व के लिए चुनौती बनती रही हैं। इसी कड़ी में अब अजेंद्र अजय का बयान चर्चा का विषय बन गया है, जो अंदरूनी असंतोष का परिणाम है। चुनावी साल में पार्टियों में खींचतान लगी रहती है। कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा में यह स्थिति बनना आम बात है। इस बार चुनाव से पहले भाजपा में खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। बीकेटीसी के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता अजेंद्र अजय के एक बयान ने न केवल पार्टी के अंदर हलचल मचा दी है, बल्कि विपक्ष को भी भाजपा पर हमला करने का मौका दे दिया है।

ज्ञात हो कि अजेंद्र अजय वाले प्रकरण में खास बात यह रही कि अजेंद्र ने अपनी नाराजगी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान से भी जोड़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक होगा। अजेंद्र अजय का कहना था कि यदि सच में राज्य के लिए यह दशक महत्वपूर्ण बनने वाला है, तो राज्य में व्यवस्थाओं और कामकाज में भी उसी स्तर की गंभीरता दिखाई देनी चाहिए। अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ाकर अजेंद्र ने जहां पार्टी के अंदर हलचल पैदा कर दी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष को भी हमलावर होने का मौका दे दिया है।

# मुख्य सचिव ने किया भवाली-रातिघाट बाईपास, श्री कैंचीधाम मंदिर में स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

नैनीताल। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भवाली-रातिघाट बाईपास, श्री कैंचीधाम मंदिर में निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां नैनीताल जिले के भ्रमण पर पहुंचे मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने जनपद नैनीताल के अंतर्गत कैंची धाम क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नव निर्मित भवाली बायपास, भवाली-रातिघाट बाईपास, श्री कैंचीधाम मंदिर में निर्माणाधीन विभिन्न निर्माण कार्यों सहित नैनीताल मालरोड में सड़क भू धसाव की रोकथाम हेतु कराए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने अपने नैनीताल भ्रमण के दौरान नैनीताल जिले की प्रमुख परियोजना में शामिल कैंचीधाम बाईपास (सैनिटोरियम-रातीघाट) सड़क मार्ग का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उन्होंने इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग में किए जा रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराए जा रहे कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि भवाली-रातिघाट बाईपास में कार्य तेजी से करते हुए इस मार्ग में पर्यटन सीजन से पूर्व यातायात सुचारू किया जाय। जबतक स्थाई मोटर पुल का निर्माण नहीं हो जाता है तबतक इसी सीजन में वैलिब्रिज स्थापित कर यातायात सुचारू कराया जाय। मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यों को तेजी से कराते हुए इस यात्रा सीजन जून

मांह से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करते हुए बाईपास मार्ग को संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम मंदिर में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, इस हेतु यातायात सुविधा भी महत्वपूर्ण है, ताकि पहाड़ को जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिले तथा जाम से निजात मिले।

मुख्य सचिव ने कहा कि उक्त बाईपास के निर्माण से भवाली बाजार में लगने वाले जाम से निजाद मिलेगी, वहीं पर्यटन सीजन में पर्यटकों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा भी नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम मंदिर परिसर में 40 करोड़ 81 लाख 39000 रुपये की लागत से मानस खंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत संचालित पर्यटन विकास व सौंदर्यीकरण कार्यों, जिसमें बहु मंजिला कार पार्किंग निर्माण, मेडिटेशन सेंटर, पाथवे व पैदल सेतु का निर्माण कराया जा रहा है, के निरीक्षण के अतिरिक्त कैंचीधाम में ही पर्यटन विभाग अंतर्गत स्वदेश दर्शन योजना के तहत 17 करोड़ 59 तक 87000 रुपये की लागत से बनाए जा रहे फैसिलिटेशन सेंटर व अन्य कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। कैंचीधाम में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि यह विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों हेतु समुचित व्यवस्था हो विशेष रूप से पार्किंग की सही व्यस्था हो। उन्होंने कहा कि पार्किंग स्थल में वाहनों के प्रवेश एवं निकासी अलग अलग गेट से हो,ऐसी व्यवस्था हो इस सबन्ध में उन्होंने जिलाधिकारी को पुलिस एवं कार्यदाई संस्था के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य सचिव ने विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम में पंहुचकर बाबा नीब करौली के भी दर्शन कर राज्य की सुख एवं शांति की कामनां की।

# 'उत्तराखंड के इतिहास का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार'

## मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष में हो रही हैं भारी अनियमितताएंः डा. हरक सिंह

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. हरक सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड के इतिहास का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष में हो रहा है। अगर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके।

पत्रकारों से बातचीत में डा.रावत ने सूचना के अधिकार के तहत मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के प्राप्त दस्तावेजों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष में भारी अनियमितता हुई है। दस्तावेजों के अनुसार केवल उधम सिंह नगर और चंपावत जिलों के आंकड़े ही यह दिखाने के लिए पर्याप्त हैं कि इस कोष की किस प्रकार बंदरबांट की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सूचना के अधिकार में उधम सिंह नगर और चम्पावत जनपद से सूचनाएं मागी गई कि किन-किन लाभार्थियों को मुख्यमंत्री विवेकाधिन कोष का लाभ मिला है। पहले तो सूचनाएं देने में विलंब किया

गया फिर आधी अधूरी सूचनाएं दी गई, लेकिन जो सूचनाए प्राप्त हुईई वह बहुत चौकाने वाली व लंबी सूची है।

उन्होंने बताया कि उधमसिह नगर और चम्पावत जनपद मुख्यमंत्री से संबंधित जनपद है, क्योकि खटीमा से वह पहले विधायक रहे है और चम्पावत से वर्तमान में विधायक है और दोनो ही जनपदों में भाजपा से जुडे हुए पदाधिकारियों और उनके परिजनों को प्रतिवर्ष मुख्यमंत्री विवेकाधीनकोष से लाभ दिया जा रहा है जो जनता के धन का दुरुप्रयोग है।

उन्होंने सीएम विवेकाधीन कोष के लाभार्थियों के नाम भी गिनाये, जिसमें सुबोध मजुमदार, भारत सिह, गोदावरी, कान्ता रानी, भरत बांगा, कामील खान, गजेन्द्र सिह बिष्ट, पूरन सिह, संतोष कुमार अग्रवाल, मुकेश शर्मा, शान्ता बडोला, राजेन्द्र प्रसाद आदि को 05 लाख रुपए और हयात सिह मेहरा जो भाजपा कापरेटिव से संबंधित है, को 04 लाख रुपए की सहायता दी गईई है। इसके अतिरिक्त तारा देवी, जसवीर चौधरी, निकिता खडायत, कुसुम देवी, हेम लता जैसे लाभार्थियों को भी 04 लाख, 03 लाख, 02 लाख जैसी बडी रकम दी गई। चम्पावत में बिना नाम के व्यक्ति को 2023-24 में 03 लाख और एक जगह चम्पावत में ही अध्यक्ष नाम से 02 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह तो मात्र चंद उदाहरण रखे गए है, पूरी सूची चौकाने वाली है। इससे साबित होता है कि उत्तराखंड के इतिहास का यह सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है।

# काबुल के अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हमले में 400 से अधिक लोगों की मौत

हमारे प्रतिनिधि

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर हुए हवाई हमले में कई लोगों के मारे जाने और घायल होने की आशंका है. तालिबान सरकार ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है।

सोमवार की रात, जब काबुल सो रहा था, तब पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने शहर के सबसे बड़े नशा मुक्ति केंद्र, ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर बमों की बारिश कर दी। इस भीषण एयरस्ट्राइक में अब तक 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 250 से ज्यादा लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमला सोमवार रात करीब 9 बजे हुआ। पलक झपकते ही 2000 बेड वाला यह विशाल अस्पताल आग के गोले में तब्दील हो गया। चीख-पुकार और धुएं के गुबार के बीच चारों तरफ केवल तबाही का मंजर था। यह अस्पताल उन हजारों अफगान युवाओं की आखिरी उम्मीद था, जो नशे के चंगुल से निकलकर नई जिंदगी शुरू करना चाहते थे, लेकिन एक ही झटके में उनकी उम्मीदें मलबे में दफन हो गईं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने इस हमले को नरसंहार करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने जानबूझकर नागरिक सुविधा को निशाना बनाया। यह सीधे तौर पर मानवता के खिलाफ अपराध है। अब तक 400 लोग शहीद हो चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे आतंकी ठिकानों पर सटीक हमला बताया है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

# नाबालिग का अपहरणकर्ता दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग का अपहरण करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 12 दिसम्बर को एक व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण के संबंध में कोतवाली रुड़की में

मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस जांच शुरू कर दी गयी। मामले की जांच उपनिरीक्षक रेखा पाल के सुपुर्द की गई। प्रभारी निरीक्षक रुड़की द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु उपनिरीक्षक ध्वजवीर सिंह पवार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार पतारसी-सुरागरसी करते हुए आरोपी को हिसार, हरियाणा से हिरासत में लिया गया। जिसका नाम मुकेश कुमार पुत्र शीशपाल निवासी मकान संख्या 485, न्यू ऋषि नगर, थाना सिटी हिसार, जनपद हिसार (हरियाणा) बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

# मुख्यमंत्री ने किया 'प्रयास बेहतर कल के लिए' स्मारिका का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा प्रकाशित स्मारिका "प्रयास बेहतर कल के लिए" का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन हेतु क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से

नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष हीरा सिंह बसेड़ा, प्रधान संपादक भूपेंद्र सिंह बसेड़ा, महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष चंदन बिष्ट, संयुक्त सचिव पुष्कर सिंह नेगी, सदस्य श्री चंद्रशेखर, रंजीत सिंह, दीपक बिष्ट, सुश्री विमला आर्या, सुश्री दीपा बोहरा और संदीप कुमार मौजूद थे।

# आकाशीय बिजली गिरने से 18 पशुओं की मौत, फसलों को नुकसान

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला में रविवार रात आकाशीय बिजली गिरने से धरमुचक गांव में कलम सिंह के पशुबाड़े में 16 भेड़ें और 2 बकरियां सहित 18 पशुओं की मौत हो गई। वहीं फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।

जानकारी के अनुसार रविवार रात आकाशीय बिजली गिरने से धरमुचक गांव में ग्रामीण कलम सिंह के पशुबाड़े में मौजूद 18 पशुओं की मौत हो गई। जिनमें 16 भेड़े व दो बकरियां शामिल हैं। पीड़ित ने इसकी सूचना पशु चिकित्सा अधिकारी को दी। जिसके बाद पशु चिकित्साधिकारी डा. पूजा पांडे ने मौके पर पहुंचकर मृत पशुओं की रिपोर्ट तैयार

कर उच्च अधिकारियों को भेजी जिससे पीड़ित पशु पालक को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो सके।

दूसरी तरफ रात बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से आम और लीची में आए बोर टूटकर छड़ गए। जिससे बागवानी करने वाले किसानों को नुकसान काफी नुकसान पहुंचा है। उद्यान अधिकारी श्वेता चौहान ने बताया कि नुकसान का जायजा लिया जा रहा है जिसके बाद इसमें रिपोर्ट तैयार की जाएगी। वहीं तेज हवाओं के चलने से डोईवाला के कई क्षेत्र में गेहूं की फसल खेतों में ही गिर गई है। जिससे गेंहू की फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ की शाखाएं गिरी गई है।

किसान नेता सुरेंद्र सिंह खालसा ने कहा कि पशु पालक को आकाशीय बिजली गिरने से काफी नुकसान हुआ है प्रशासन को चाहिए इस मामले में कार्रवाई करते हुए देवीय आपदा या अन्य किसी मद से पीड़ित को मुआवजा दिया जाए।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकारः**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*